वंदे मातरम्

# राष्ट्र सेविका समिति

:: प्रधान कार्यालय ::

देवी अहल्या मंदिर, धंतोली, नागपूर - 440012

दूरभाष : 0712-2442097 फॅक्स : 0712-2423852

## वार्ता

वर्ष : 22 अंक : 61 युगाब्द : 5121 दिनांक : 01.03.2020

25वें स्मृति वर्ष पर विनम्र श्रद्धांजली

मातृवत स्नेह वात्सल्यं, राष्ट्रकार्यार्थ जीवनं
सरस्वति नमस्तुभ्यं सेविका प्रेरणास्त्रवं

# 'अखिल भारतीय अर्द्धवार्षिक बैठक वृत्त''

राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय अर्द्धवार्षिक बैठक झारखण्ड के रांची में दिनांक 14 से 17 फरवरी तक संपन्न हुई।

माँ अष्टभुजा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर बैठक की कार्यवाही प्रारंभ होने से पूर्व वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का जी ने जो हमारे बीच नहीं रहे ऐसे आत्मिक जनों को प्रतिनिधि सभा के साथ श्रद्धांजली समर्पित की।

बैठक का प्रारंभ मा. सीता गायत्री जी (प्रमुख अ.भा.कार्यवाहिका) ने भारत एवं भारत के बाहर विदेश में चल रहे समिति कार्य का अहवाल प्रतिनिधियों के सामने रखा। इस वर्ष हुई निधि बैठक, प्रतिष्ठान बैठक एवं अ.भा.शारीरिक अभ्यास वर्ग के निर्णयों एवं गतिविधियों को प्रतिनिधियों के समक्ष रखा। साथ ही विभिन्न प्रांतों के विशेष कार्यक्रम गुजरात का स्वरांजली, कर्नाटक की 50 वर्ष की प्रवाहित गंगा, विदर्भ का शक्ति सम्मेलन, पुणे का वं. ताई आपटे स्मृति समारोह की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि समिति कार्य के विस्तार हेतु ऐसे शक्ति प्रदर्शन वर्तमान में आवश्यक है।

अपने अहवाल में उन्होंने वर्तमान परिस्थिति में एक संगठन के नाते शासन ने लिये निर्णय 35ए, धारा 370 का कश्मीर से हटना, ट्रिपल तलाक, रामजन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से भारत की अनेक समस्याओं का समाधान भारतवासियों को मिला है। सीएए, एनआरसी जैसे निर्णय भी प्रक्रिया में आए हैं। यद्यपि विरोध के स्वर एवं इसे हटाने के आक्रमक तरीके समाज कंटकों द्वारा अपनाए जा रहे हैं परन्तु इसके समर्थन में हरेक प्रांतों में अन्य संगठनों के साथ हमारी सेविकाओं ने भी आवाज उठाई है।

वैसे ही महिला सुरक्षा पर भी चिंता व्यक्त की गई जिसमें प्रियंका, दिशा एवं अंकिता जैसी तरूणियों के साथ जो हुआ वह पुनः न दोहराया जाए इसके लिए हम सबको प्रयत्न करना होगा। सजगता, धैर्य, तेजस्विता का निर्माण समाज जीवन में सातत्य से करना होगा। ये गुण संगठन के माध्यम से हो सकते हैं। सृजन संगठित शक्ति ही इस देश की रक्षा कर सकती है। इस बैठक में 'वर्तमान चुनौतिया एवं हमारी भूमिका' इस विषय पर मा. सुनिता हल्देकर (अ.भा.सहकार्यवाहिका) ने अपने विचार रखे एवं चर्चा की। मा. अलकाताई इनामदार ने पर्यावरण, सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन इस विषय पर चर्चा की। वनवासी जनजातियों में फैलाए जा रहे भ्रम को जिसमें जनगणना के बिंदु आर.एन.एस. एवं ओ.आर.पी. को पीपीटी द्वारा प्राची पाटिल ने विषय को स्पष्ट किया।

## बैठक में मा. शान्ता आक्का जी का मार्गदर्शन

देश के लिए जिन्होंने सर्वस्व समर्पण यह अपने जीवन का ध्येय सुनिश्चित किया, ऐसे क्रांतिकारक वासुदेव बलवंत फड़के का आज स्मृतिदिवस है। उनके समर्पित जीवन से अनेक तरूणों ने प्रेरणा लेकर क्रांति की ज्वाला में अपनी आहुति देकर देश को स्वतंत्रता दिलाई है। आज रामदास नवमी समर्थ गुरू रामदास जी का निर्वाण दिवस, दासबोध के माध्यम से उन्होंने हमें मंत्र दिया है। 'प्रयास, प्रचिती, प्रबोध' कार्य में प्रयासरत रहकर प्रचिती का अनुभव लेना और उसी से ज्ञान प्राप्त कर कार्य की दिशा में गतिमान रहना। हमारे सामने सुनिश्चित ध्येय है संगठन निष्ठा हमें प्रतिक्षण अनुभूति देती है। कदम से कदम मिलाकर हमें आगे बढ़ना है तथा शाखा के माध्यम से निष्ठावान तेजस्वी सेविकाओं का निर्माण करना है। हमारी शाखा प्रभावी हो, सकारात्मक निर्माण करे ऐसा प्रयत्न हमें सातत्य से करना है। हमारे पूर्वजों ने बहुत सोच विचारकर अगली पीढ़ी को कष्ट न हो इसलिए त्याग किया, उसी आधार पर हम आनंदमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं। झारखण्ड में एक वृद्ध ने विरान जगह में एक कच्चा रास्ता बनाया और हजारों पेड़ लगाए, आज वह स्थान हजारी बाग के नाम से प्रसिद्ध है। आज त्याग करने की हमारी बारी है हमारी शाखा त्यागमय जीवन की प्रेरणा बने। हम भी अपने काम की स्मृति छोड़कर इस विश्व से बिदा ले। वं. ताई जी कहती थी हम 24 घण्टे की सेविका हैं अतः हृदय से हृदय मिलते जाएं एवं संगठन को दृढ़ करें। आज इस्लामिक आतंकवाद की आंधी से सारा विश्व ग्रस्त है। हिन्दुत्व का भाव हृदय में जगाकर संपूर्ण देश में एक शक्ति जगाना है। यही इस भयमुक्ति का उपाय है। इसलिए हमारी जीवन शैली स्वदेशी विचार युक्त होनी चाहिए। नैतिक जीवन मूल्य युक्त एवं समस्या मुक्त भारत का निर्माण यही हम सबके जीवन का स्वप्न हो। इसीलिए इस बैठक का बोध वाक्य हमने लिया है-

***'न भयं क्वचिदाप्नोति वीर्यं तेजश्च विन्दति'***

## वं. प्रमिल ताई जी को SNDT ने दी डी.लिट की मानद उपाधि

महर्षि कर्वे द्वारा स्थापित और उनके ही सिद्धांतो पर चल रही भारत की सर्व प्रथम महिला विश्व विद्यापीठ **SNDT University** का 69 वा पदवीदान समारोह आज मुंबई मे संपन्न हुआ।

इस कार्यक्रम मे महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल एवं विद्यापीठ के कुलपति श्री भगत सिंह कोश्यारी जी के वरदहस्तो से एवं विद्यापीठ के कुलगुरु मा. शशिकला जी वनझारी की उपस्थिति में वं. प्रमिल ताई जी को डी.लिट की मानद उपाधि दी गई।

डी.लिट देते हुए उद्धरण में कहा गया कि वं. प्रमिल ताई जी के राष्ट्र एवं समाज कार्य को ध्यान मे रखकर यह सम्मान उनको दिया गया है।

सम्मान का प्रत्युत्तर देते हुए वं. प्रमिल ताई जी ने महर्षि कर्वे और राष्ट्र सेविका समिति के संबंधो को याद किया और कहा कि यह मेरा व्यक्तिगत सम्मान नहीं बल्कि राष्ट्र सेविका समिति के कार्य का सम्मान है। हम सब सेविकाएं गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। हम सबका शत्-शत् नमन...

## समरसता कार्यक्रम – इंदौर एवं उज्जैन

इंदौर में 25 नवम्बर तथा उज्जैन में 28 नवम्बर को वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का जी की उपस्थिति में विभिन्न समाज की बहनों के साथ संवाद एवं समिति कार्य के परिचय का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 22 समाज से 70 बहनें उपस्थित रही। प्रत्येक बहनें अपने समाज के सीमित दायरे में कार्य कर रही हैं परन्तु राष्ट्र सेविका समिति पूरे भारत में ही नहीं विश्व के कई राष्ट्रों में भी कार्यरत है। यह जानकर सभी को आश्चर्य भी हुआ तथा सभी समाज की बहनों ने समिति कार्य को सराहा।

## वं. ताई आपटे 25वां स्मृति समारोह

स्व. वं. ताई आपटे जी की कर्मभूमि पूना में उनके 25वें स्मृति वर्ष के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्र सेविका समिति की द्वितीय प्रमुख संचालिका वं. ताई जी आपटे जी का पूरा जीवन समर्पण एवं त्याग से ओतप्रोत था। सेवा की वात्सल्यमूर्ति वं. ताई जी का स्मरण पुनः नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी हो, इस हेतु 1 दिसम्बर 2019 को सायं 5 बजे टाटा मेमोरियल हॉल बी.एम.सी.सी. कॉलेज पुणे में 25वें स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख मा. शरद रेणु जी उपस्थित रहीं। वं. ताई जी की प्रतिमा के चारों ओर रंगोली एवं सभागार की पुष्प सज्जा ने सबका मन मोह लिया।

इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में वं. ताई जी के जीवन पर आधारित चलचित्र 'स्पर्श चन्दनाचा' दिखाई गई। चलचित्र ने सभी को भावविभोर कर दिया।

मा. शरद रेणु जी ने वं. ताई जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वं. ताई जी त्याग एवं समर्पित जीवन की अनुभूति थी। मातृ हृदय भाव की धनी वं. ताई जी ने उनके स्वभाव से पूरे समाज को अपना लिया। प्रेम ममत्व भाव से संवेदनाओं को समझने की क्षमता हो तो ही भारत माँ की हृदय की आवाज हमारे हृदय तक पहुंचेगी। यह आवाज जब हृदय से भिड़ जाएगी तभी मन हृदय और बुद्धि की एकरूपता से विशाल कार्य करने की प्रेरणा हमें मिलेगी और इसी प्रेरणा से उत्तुंग कार्य का निर्माण होगा। वं. ताई जी ने इसी भाव से छोटी-छोटी बातों से पूरे समाज को अपनाकर बड़ा कार्य खड़ा किया है और उनके मातृ हृदय मन एवं प्यार ने अनेकों के जीवन में उनके प्रति आदरभाव निर्माण किया है।

## स्व. मा. कुसुमताई साठे स्मृति वर्ष

मा. कुसुमताई साठे राष्ट्र सेविका समिति की पूर्व अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख, समिति प्रार्थना की रचियता, देवी अष्टभुजा का हिन्दीकरण जिन्होंने किया, श्रेष्ठ कवियित्री, सेविका प्रकाशन की पूर्व संपादिका एवं केरल प्रांत की पालक अधिकारी थी। इनका स्मृति वर्ष 16 फरवरी 2020 से प्रारंभ हो रहा है। उनकी स्मृति को शत्-शत् नमन...

# वं. ताई आपटे स्मृति वर्ष के विशेष कार्यक्रम

## राष्ट्र सेविका समिति, गुजरात-स्वरांजली

राष्ट्र सेविका समिति की द्वितीय प्रमुख संचालित वं.सरस्वतीताई आपटे के 25वे स्मृति वर्ष एवं 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद और जिजामाता जयंती के त्रिवेणी संगम के अवसर पर विश्व की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टेच्यु ऑफ यूनिट के प्रांगण में स्वरांजली कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया था। जिसमे अतिथि विशेष के नाते-विभावरीबेन दवे(महिला और बाल विकास मंत्री, गुजरात) उपस्थित रही और रा.से.स. की वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्काजी का मार्गदर्शन सेविकाओं को मिला।

राष्ट्र सेविका समिति, गुजरात क्षेत्र द्वारा आयोजित इस पवित्र दिन को सेविकाओं ने भारत की एकता और अखंडता के शिल्पी सरदार वल्लभ भाई पटेल को मानवंदना देते हुए एक अविस्मरणीय दृश्य का निर्माण किया। इस कार्यक्रम में गुजरात के 130 स्थान से 1400 से 1500 सेविकाएं सहभागी हुई।जिसमे विद्यार्थि और गृहिणी के अलावा डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, शिक्षिका, प्रोफेसर जैसे विविध व्यवसायिक क्षेत्र की महिलाएं भी बड़ी संख्यामे जुड़ी। आयु की दृष्टि से देखे तो 8 साल से 70 साल की सेविकाएं इस शौर्य प्रदर्शन का हिस्सा बनी। इस कार्यक्रम के बहाने गाँव की ऐसी कई महिलाओ का हुनर बाहर आते दिखाई दिया, जो कभी घर से बाहर नही निकली। कड़ाके की ठंड में भी सेविकाओं ने बिना स्वेटर या शॉल के प्रातः 6.30 बजे लौह पुरुष को स्वरांजली दी जिसे देखकर लोग भावविभोर हो गए।

आज नारी उत्थान, स्त्री संरक्षण और महिला सम्मान को लेकर विविध प्रयास हो रहे है इसी कड़ी में कार्यक्रम से महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।एक स्त्री गृहिणी हो या उद्यमी वे समाज और देश के लिए आगे आकर नेतृत्व कर सकती है यह विश्वास दृढ़ होता दिखा। कहा जाता है की 100 पुरुषों को इकठ्ठा करना सरल है किन्तु 4 महिलाओं को एक साथ रखना नामुमकिन लेकिन इस महिला संगठन से एक साथ विविध जाति, समाज और सम्प्रदाय की महिलाएं एकसाथ एकत्रित आकर संगठित स्त्री शक्ति का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत करती है। दूरदर्शन प्रसारण द्वारा 1 लाख से अधिक लोगो ने इस कार्यक्रम को देखा और सराहना की।

## विदर्भ प्रांत शक्ति प्रदर्शन

ध्येय पथ पर बढ़ चले हम...

83 वर्ष पूर्व जिस धरती पर राष्ट्र सेविका समिति जैसे विश्व व्यापि संगठन की नींव रखी गई थी वह गांव है वन्दनीय मौसीजी की कर्मभूमि वर्धा। इस वर्धा नगरी में दिनांक 2 फरवरी 2020 को अलग-अलग दिशाओं से त्रिवेणी धारा बह उठी और यह त्रिवेणी संगम एक विशाल सागर के प्रवाह में परिवर्तित हो गया। अवसर था वं. ताई आपटे जी के 25वें स्मृति वर्ष के निमित्त एकत्रित आना। इस पथ संचलन में लगभग 3500 गणवेशधारी सेविकाओं ने भाग लिया। संचलन में 21 घोष पथक थे जिसमें 550 सेविकाएं सम्मिलित थी। 17 जिलों से 81 स्थानों से सेविकाएं आई थी।

इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मा. माधुरी सहस्त्रबुद्धे जी थी जिन्होंने 23 देशों में अपनी 3 सहयोगी बहनों के साथ कार में प्रवास कर मदर्स ऑन व्हील्स इसका अध्ययन किया था।

इस कार्यक्रम में वं. प्रमुख संचालिका मा. शान्ता आक्का जी प्रमुख कार्यवाहिका मा. अन्नदानम सीताजी, पूर्व प्रमुख संचालिका मा. प्रमिलाताई मेढे, क्षेत्र कार्यवाहिका मा. सुनन्दाताई जोशी, प्रांत कार्यवाहिका तथा संपूर्ण प्रांत टोली उपस्थित थी। विशेष रूप से मौसीजी की तृतीय पीढ़ी भी इस संचलन में उपस्थित थी। मंच सज्जा एवं विविध सुशोभन दर्शनीय एवं प्रशंसनीय था। पूरा कार्यक्रम भव्य, दिव्य, प्रेरणादायी एवं शक्ति जागरण करने वाला था।

# वं. ताई आपटे स्मृति वर्ष के विशेष कार्यक्रम

## देवगिरी प्रांत - लातूर संचलन वृत्त

राष्ट्रसेविका समिति की द्वितीय प्रमुख संचालिका स्व. सरस्वती आपटे इनकी 25वें स्मृतिवर्ष एवं लातूर शहर पथ संचलन की तपपूर्ती याने 12वें वर्ष के अवसर पर देवगिरि प्रांत के 14 जिलों से आई सेविकाओं का सघोष पथ संचलन संपन्न हुआ। इस संचलन में कुल 1276 गणवेशधारी सेविकाओं ने भाग लिया। नागरिक बंधु भगिनी द्वारा पुष्पवृष्टि एवं फटाकों से संचलन का स्वागत हुआ। इस संचलन में तहसील से भी सेविकाएं सहभागी हुई थी। इस कार्यक्रम की संख्या 1375 और अभ्यागत 255 थी।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षा अंबाजोगाई स्थित सोमेश्वर हॉस्पिटल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सारिका शिंदे एवं प्रमुख वक्ता राष्ट्र सेविका समिति पश्चिम क्षेत्र बौद्धिक प्रमुख डॉ. लीना गहाणे थी। राष्ट्र सेविका समिति पश्चिम क्षेत्र कार्यवाहिका सुनंदाताई जोशी प्रमुखता से उपस्थित थी।

मा. रत्नाताई हसेगांवकर ने प्रस्तावना में कहा 'इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रांत की सेविकाओं को संगठित कर, हम सब एक हैं यह भावना निर्माण करना तथा समिति कार्य में इससे प्रेरणा मिले, यह था।'

उपस्थित सेविकाओं को डॉ. लीना गहाणे ने संबोधित करते हुए कहा 'इस पथ संचलन के माध्यम से हमें आत्मपरीक्षण का अवसर प्राप्त होता है। स्व प्रशिक्षण और साधना से समाज पर प्रभाव पड़ता है। यह राष्ट्रोद्धार का कार्य है। इस प्रभाव का रूपांतर परिणाम में होने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए।

अध्यक्षीय मनोगत में डॉ. सारिका शिंदे ने कहा '21वीं सदी में महिलाओं के सामने कई चुनौतियां है। महिलाओं को आज भी प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। महिलाओं के प्रश्न केवल कायदे कानून बनाकर हल नहीं होंगे, उसके लिए समाज में बड़े आंदोलन की आवश्यकता है।

## भिवानी विभाग-खेल प्रतियोगिता

भिवानी विभाग के खेल संगम संख्या 290 रही। 10 शाखाओं ने भाग लिया। मा. राधा मेहता जी का उद्बोधन हुआ। अध्यक्षा डॉ. सुषमा यादव वी.सी. भगत फूल सिंह यूनिवर्सिटी खानपुर ने की। अतिथि सविता जी रही ।

## जोधपुर प्रांत - बाड़मेर पथ संचलन

कदम कदम री साधना आ देश री आराधना

इस भाव को लेकर 12 जनवरी 2020 को राष्ट्र सेविका समिति का पथ संचलन, बाड़मेर की धरा पर हुआ। बहुत ही शानदार स्वागत हुआ। बहनों की मेहनत रंग लाई। नित्य साधना से ही सब कार्य सफल होते है। संचलन में 450 सेविकाएं अैर कुल संख्या 500 रही। ऐसे स्थान पर पथ संचलन निकलना जहां घूंघट में बहुए रहती हो, उनके लिए इस कार्यक्रम में भाग लेकर सड़क पर संचलन करना एवं कदम से कदम मिलाकर चलना उनके जीवन का रोमांचक क्षण था।

## राष्ट्र सेविका समिति पथ संचलन-मुंबई ठाणे

लोकमान्य तिलक स्मृति शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में ठाणे में 19 जनवरी को पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस संचलन में वसई, विरार, पार्ले, मुंबई, रायगढ़ इन भागों से सेविकाओं ने भाग लिया। 8 साल से 80 साल तक की सेविकाओं का इसमें सहभाग रहा। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख संचालिका मा. प्रमिला ताई मेढे उपस्थित थी। प्रमुख अतिथि श्रीचंद्रशेखर टिळक का उद्बोधन 'राष्ट्रवाद का राष्ट्रीय चेहरा लोकमान्य' इस विषय पर हुआ। 89 गणवेशधारी सेविकाएं उपस्थित थी।

## ''रेणुका प्रतिष्ठान रत्नागिरी लोकमान्य तिलक स्मृति शताब्दी कार्यक्रम''

लोकमान्य स्मृति शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रत्नागिरी राष्ट्र सेविका समिति एवं रेणुका प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में सभी संगठनों को साथ लेकर बुधवार दिनांक 5 फरवरी को शाम चार बजे भव्य शोभायात्रा सघोष निकाली गई। विविध संगठनों में भारतीय मजदूर संघ, भजनी मण्डल, संघ कार्यकर्ता, संस्कार भारती, शालेय विद्यार्थी एवं नागरिक भी सम्मिलित थे।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रत्नागिरी नगराध्यक्ष सालवाजी थी। इस कार्यक्रम में राष्ट्र सेविका समिति की सहकार्यवाहिका मा. चित्राताई जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थी। जी.जी.पी.एस. स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा लोकमान्य तिलक जी के जीवन पर पोवाड़ा गायन प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में मा. शेलार (पावस विद्यामंदिर के अध्यापक) सुश्री फाटक, मा. दीपक पटवर्धन आदि सम्माननीय व्यक्तियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। साथ ही विविध प्रतियोगिताओं में यशस्वी व्यक्तियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

अंत में मा. चित्राताई जोशी का मार्गदर्शन हुआ, उन्होंने कहा कि लोकमान्य तिलक जी को समझना कठिन है हम जब जानने लगते हैं तब हिमनग जैसा थोड़ा भाग दिखता है। वं. मौसीजी की माताजी केसरी का वाचन अपनी समवयस्कों के साथ नित्य प्रति करती थी। वं. ताई आपटे (द्वितीय प्रमुख संचालिका राष्ट्र सेविका समिति) लोकमान्य तिलक जी की नातिन थी। उन पर तिलक जी के राष्ट्र निष्ठा का संस्कार बचपन से ही था। ऐसे विचार व्यक्त किए।

लोकमान्य तिलक अमर रहे वन्दे मातरम भारतमाता की जय घोषणा के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

## स्त्री जीवन विकास परिषद गौरव पुरस्कार

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी भारतीय स्त्री जीवन विकास परिषद की ओर से गौरव पुरस्कार कार्यक्रम दिनांक 2 फरवरी 2020 को संपन्न हुआ। इस वर्ष वंदनीय लक्ष्मीबाई केळकर पुरस्कार महाकौशल प्रांत की प्रांत प्रचारिका मा. शशी बघेल को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया। वं. सरस्वती ताई आपटे पुरस्कार मा. वर्षा धरोटे को दिया गया। मा. वर्षा धरोटे अ.भा.बालिका छात्रावास, वनवासी कल्याण आश्रम रूद्रपुर की प्रमुख थी। उसी प्रकार तीसरी व्यक्ति मा. गिरीश परशुराम देशपाण्डे को मा. बकुलताई देवकुळे शुभेच्छा निधि समर्पित किया गया। मा. परशुराम जी के.पी.देशपाण्डे फाउण्डेशन संचालित आनंद अनाथाश्रम नेरल के संस्थापक अध्यक्ष हैं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष ज्येष्ठ खगोलशास्त्रज्ञ मा. दा.क्र. सोमण थे। इन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि गृहगोल की अपेक्षा इस पृथ्वी पर कार्य करने वाले ये व्यक्तित्व अधिक तेजस्वी हैं। इस कार्यक्रम में राष्ट्र सेविका समिति की अ.भा.सहकार्यवाहिका मा. चित्राताई जोशी जी उपस्थित थी।

मा. चित्राताई ने अपने मार्गदर्शन में कहा कि दुर्जनों के आक्रमण की अपेक्षा सज्जनों का मौन यह अधिक घातक होता है।

कार्यक्रम का सूत्र संचालन मा. वंदना ताई जी ने किया तथा सौ. आठवले ने आभार प्रदर्शन किया।

## समिति सेविकाओं द्वारा राहत कार्य

प्राकृतिक आपदाओं में सेवा कार्य के रूप में समिति की सेविकाओं ने तत्परता से भाग लिया। सेविकाओं की सेवाभावना की सहज प्रवृत्ति के कारण अनेक प्रांतों की आपदाओं में सहभागी हुई। असम, विजयनगर, सांगली, कोल्हापुर में बाढ़ के कारण इस वर्ष अत्यधिक नुकसान हुआ है। वहां प्रथम सेविकाओं ने भोजन, वस्त्र एवं महिलाओं के उपयुक्त वस्तुओं का वितरण किया, उनका मनोबल बढ़ाने, खेल, गीत, हल्के व्यायाम इत्यादि से उनको व्यस्त रखने का प्रयास किया। इसके पश्चात् सर्वेक्षण कर कोल्हापुर में प्रत्येक परिवारों में किट्स बांटे गए। असम में सी.ए.ए. का विषय आने के पश्चात कर्फ्यू लगने से आवागमन बंद होने के कारण स्टेशन पर अटके 5000 नागरिकों के लिए भोजन, जलपान का प्रबंध किया।

## महिलाओं की समाज निर्माण में अहम् भूमिका

### राष्ट्र सेविका समिति की ऊना की संगोष्ठी में अलका इनामदार का उद्‌बोधन

राष्ट्र सेविका समिति ऊना इकाई की ओर से राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें 60 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका मा. अलका इनामदार विशेष रूप से उपस्थि रहीं। संगोष्ठी में प्रांत कार्यवाहिका डॉ. मुक्ता, बौद्धिक प्रमुख डॉ. स्नेहलता, ऊना की संयोजिका शकुंतला कंवर विशेष रूप से उपस्थित रही। संगोष्ठी की अध्यक्षता संतोष सैनी ने की, मुख्य अतिथि के रूप में शशी रायजादा उपस्थित रही।

अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका अलका ईनामदार ने कहा कि भारत की संस्कृति मातृशक्ति है, यही मातृशक्ति हमारी संस्कृति का आधार है। यह प्राचीनकाल से चली आ रही है इसमें सब समान हैं। हिंदू संस्कृति हजारों वर्षों से चल रही है। इस धरोहर को हम सब आगे लेकर जा रहे हैं। मातृशक्ति का भारत निर्माण में अहम् योगदान है। मातृशक्ति को एकजूट होकर राष्ट्र के कार्य में लगना होगा। भारतीय संस्कृति श्रेष्ठ संस्कृति है। इस संस्कृति में पुरूष व महिला को बराबर रखा गया है। उन्होंने कहा कि हम सब राष्ट्र निर्माण में लगे हैं और भारत मजबूत देश बनकर विश्वगुरू बने इसके लिए हमें समाज को तैयार करना है। महिलाएं राष्ट्र को प्रगति की ओर ले जाने में अपना अहम् योगदान दे रही हैं, इस कार्य में हमें जनसंपर्क के माध्यम से राष्ट्र की चिंता करने वाले बड़े समूह को खड़ा करते हुए सामाजिक बुराईयों को खत्म करने का भी संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सेविका समिति अनेक सामाजिक विषयों को महिला शक्ति जागरण के लिए चला रही है। 25 अक्टूबर 1936 को राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना की गई और आज विश्व का सबसे बड़ा संगठन राष्ट्र सेविका समिति है।

## महाविद्यालयीन तरूणी शिविर

महाकौशल प्रांत का महाविद्यालयीन तरूणी शिविर दिनांक 23 जनवरी से 27 जनवरी तक 4 दिन का शिविर दत्त मंदिर परिसर में सपन्न हुआ। जिसमें प्रांत के 7 विभागों के 13 जिले से 14 स्थानों से 35 शिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर में विभिन्न बौद्धिक के विषय लिए गए, जिसमें समिति कार्य, परिचय, युवा मन का राष्ट्रबोध सजग नागरिकत्व इत्यादि विषय लिये गये। चर्चा में समय प्रबंधन, स्वस्थ युवया स्वस्थ राष्ट, जैसे अन्य विषय भी लिये गये। इस शिविर में शिक्षार्थी शिक्षिका व व्यवस्था की 50 बहनों द्वारा बैंड प्रहार भी किया गया। 26 जनवरी के प्रातः शाखा के पश्चात् सेविकाओं द्वारा शहीद स्मारक में घोष के साथ झंडा वंदन, सामूहिक गीत एवं प्रात संचालिका मा. सुमति ताई जी का उद्‌बोधन हुआ।

## विदेश विभाग वृत्त

विश्व विभाग के प्राथमिक एवं प्रवेश वर्ग कोट्टायम में 21 से 28 दिसम्बर तक संपन्न हुए। नौ देशों से 26 सेविकाएं प्राथमिक तथा 12 प्रवेश वर्ग में उपस्थित थे। 8 शिक्षिकाओं में से 2 यू.एस. से, एक आस्ट्रेलिया से एक यू.एस.ए. से एवं अन्य भारत से प्रशिक्षण देने आई थी। मा. भाग्यश्री साठे जी का 21 दिन का यू.के प्रवास हुआ। 24 जनवरी को रियूनियन पुर्नमिलन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

नेपाल में दिनांक 6 से 9 फरवरी में एक शिविर संपन्न हुआ। 9 जिलों से 35 सेविकाओं ने भाग लिया। मा. सुनिता हल्देकर जी एवं नीता जी इस शिविर में उपस्थित थी। इसी शिविर के बाद वहां से सुश्री उर्मिला ढकाल प्रचारिका व सुश्री निराला जी विस्तारिका के रूप में निकली।

## प्रवास वृत्त - युनाइटेड किंगडम कालावधी-10 जनवरी से 1 फरवरी 2020

प्रवास के कुछ मुख्य बिंदू-युनायटेड किंगडम के कुल 20 नगरों में प्रवास हुआ। इस प्रवास में कुल 41 कार्यक्रम हुए, जिसमें 8 शाखा प्रवास, 2 मकर संक्रांति उत्सव, 2 अभ्यास वर्ग, 2 विभाग बैठकें, 2 शिक्षिका बैठक, 7 एकत्रीकरण, 3 कार्यकर्ता बैठक एवं 2 विषयशः बैठकें सम्मिलित है। VSSV-Reunion - जिन सेविकाओं ने 1997 से 2017 तक भारत में आकर शिक्षा वर्ग किया है उनके Reunion का कार्यक्रम हुआ। इसमें पूरे देश से 34 सेविकाएं उपस्थित थी। इस कार्यक्रम में अनुभव कथन के सत्र में 6 सेविकाओं ने विडियो कॉल द्वारा अनुभव कथन किया। फोटो, डायरी की प्रदर्शनी, प्रश्नमंच, खेल, गीत के कारण सभी सेविकाओं के संस्मरण जागृत हुए।

## कार्य वृत्त

भारत माता पूजन द्वारा श्रद्धाभाव निर्माण हुआ। वंदनीय प्रमिल ताई जी द्वारा वीडियो कॉल से सभी सेविकाओं को आर्शीवचन एवं प्रेरणा मिली। खेल प्रतियागिता के अभ्यासवर्ग में नेशनल टीम की कबड्डी की खिलाड़ी मार्गदर्शन हेतु उपस्थित थी। विशेष संपर्क में साध्वी प्रतिभा प्रज्ञा जी एवं राष्ट्रीय कबड्डी टीम का कप्तान सोमेश्वरजी से भेंट हुई। यूनाइटेड किंगडम का राष्ट्रीय कार्यकर्ता वर्ग संपन्न हुआ जिसमें पूरे देश से 378 स्वयंसेवक एवं सेविकाएं उपस्थित थी। पूरे दिन के सत्रों में प्रभावी मार्गदर्शन हुआ। बढ़ते हुए कार्य को देखकर बहुत प्रेरणा मिली।

## अखण्ड सूर्य नमस्कार यज्ञ

महाकौशल प्रांत में रथसप्तमी के अवसर पर पूरे प्रांत में क्रमशः समय तय कर अखंड सूर्य नमस्कार डाले गए। कुल 9 विभाग के 23 जिलों में 27 स्थानों पर 2131 बहनों ने कुल 21325 सूर्य नमस्कार डाले।

## भारत माता के हार से फिसले मोती अपूर्णीय क्षति-विनम्र श्रद्धांजली (निर्वाण 29 दिसम्बर 2019)

श्री श्री विश्वेश्वतीर्थ पादंगळ पेजावर मठ उडुपी पेजावर के अधोक्षजा मठ के 32 वें पीठाधीश थे। उनका जन्म 1931 में हुआ था। स्वामीजी को क्रातिकारी तथा राष्ट्र संत के रूप में देखा जाता था। सामाजिक समरसता के लिये स्वामीजी ने सेवा बस्तियों में पदयात्रा कर दलितों के घरों में जाते, उनका दिया भोजन प्रसाद ग्रहण करते थे। प.पू. गुरूजी की उपस्थिति में पेजावर श्री के नेतृत्व में संतों का सम्मेलन हुआ था। उसमें उन्होंने 3 उक्तियाँ मार्गदर्शक के रूप में दी थी। ''हिन्दवहा सोदराः सर्वे, न हिन्दु पतितो भवेत'' ''ममदीक्षा हिन्दु रक्षा'' मम मंत्र समानता। स्वामीजी ने बेंगलूर में पूर्ण पज्ञा विद्यापीठ स्थापित कर सभी जाति के विद्यार्थियों को वेदपाठ पढ़ा रहे हैं अनेक स्थानों पर गरीब विद्यार्थियों के लिये छात्रावास उनके द्वारा चल रहे हैं। रामजन्मभूमि आंदोलन में उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

## वेदान्त शास्त्री पण्डिता मा. श्रुति कीर्ति सप्रे-22 नवम्बर 2019 कार्तिक कृष्ण एकादशी

स्व. मा. श्रुति कीर्ति सप्रे वेदविज्ञान गुरूकूलम की पं.पूज्य माताजी ब्रम्हप्रकाशानन्द की शिष्या थी। आप बचपन से ही समिति की सेविका थी, साथ ही देवी अहिल्याबाई स्मारक समिति की सहकार्यवाहिका का दायित्व भी आपके तरफ था। समिति की दिनदर्शिका में भी आपकी सहभागिता थी। रामटेक में एकादशी के दिन राम के सान्निध्य में हो आपने अपनी अंतिम सांस ली।

## श्री पी. परमेश्वरन जी

केरल के ज्येष्ठ प्रचारक भारतीय विचार केन्द्रम के निर्देशक विवेकानंद केन्द्र के अध्यक्ष 2018 में पद्मविभूषण 2004 में 'पद्मश्री अलंकार' 2018 में 'पद्मभूषण अलंकार' और 2002 में 'अमृत कीर्ति' पुरस्कार से सम्मानित हैं। 9 फरवरी 2020 निर्वाण हुआ।

## श्री बाबूराव राजे एवं श्रीमती मीराताई राजे

दोनों का संपूर्ण परिवार राष्ट्र कार्यहित समर्पित रहा। वे अ.भा.शारीरिक प्रमुख मनिषा राजे संत एवं श्रीरंग राजे (संघ प्रचारक) के माता पिता थे। मात्र 19 दिन के अंतराल में श्री बाबूराव राजे 31 जनवरी 2020 एवं मीराताई राजे ने 19 फरवरी 2020 को इस जगत से बिदा ली। मा. मीराताई विदर्भ प्रांत की पूर्व कार्यवाहिका थी तथा श्री बाबूराव राजे संघ के एक निष्ठावान कार्यकर्ता एवं विश्व हिंदू परिषद के पूर्णकालिक कार्यकर्ता थे।

**शुभांगी ताई महाजन** – समिति में कोंकण प्रांत की पूर्व कार्यवाहिका, जीजामाता ट्रस्ट की ट्रस्टी थी।

**मा. सिंधुताई शाहापुरकर**– वं. मौसीजी के समय की प्रथम शाखा सेविका थी।

**श्री सदाशिव मराठे**– सूक्ष्म योग के ज्ञाता मा. माधुरी मराठे के पिताजी थे। लोग उन्हें योग गुरू के रूप में मानते थे।

**श्री बच्चुजी व्यवहारे**– वैदिक गणित के प्रचारक थे। पूरे भारत के बच्चों को वैदिक गणित सिखाना उनके जीवन का लक्ष्य था।

***भारत के विभिन्न भागों में आई भीषण बाढ़ में हताहत् नागरिकों, सीमा की रक्षा करते हुए शहीद हुए सैनिकों को राष्ट्र सेविका समिति की सेविकाओं की विनम्र श्रद्धांजली***

## श्री राम नाम यश-गीत

श्रीराम नाम का गुलाल। श्रीराम नाम का गुलाल अंग अंग मलोरे।
संग संग चलोरे, संग संग चलोरे ।।धृ।।

शौर्य से चमक रहा है, सूर्य स्वाभिमान का। निशा गयी तमस हटा, युग नये विहान का।
कीर्ती कि विजयध्वजा, हाथ हाथ गहोरे ।।1।।

ढोल, डफ, मृदंग ले, निकल पडी है टोलिया। रंग भगवा उड रहा, राम कि है बोलिया।
दुष्ट रिपू दलन कि, वीर वृत्ती धरो रे ।।2।।

राम राम जय श्रीराम, अयोध्या पवित्र धाम। कृष्ण नीती से सुनो, सफल बने सारे काम।
हिंदू शक्ती जग रही, सिंहनाद करो रे ।।3।। संग संग चलोरे ----------